

B.A. Sanskrit General

Semester - 4

Course - CC-A4

Topic - section - c

vibhaktiyartha Prakarana

विभक्त्यर्थः (By Arpita Rana)

সূত্র

উদাহরণ

১ প্রাতিপদিকার্থ-নির্ধে-পরিমান-রচনায়
প্রথমা (২।৩।৪৫) —

প্রাতিপদিকার্থ-মাত্রে
উদাহরণ- উট্টে:, নীটে:,
বৃষ্টি:, স্ত্রী:, জ্ঞানম্।

নির্ধে-মাত্রাধিক্যের উদাহরণ
যথা- তে:, তৌ, তৈম্।
পরিমান-মাত্রাধিক্যের উদাহরণ
যথা- দ্রোনৌ ব্রীহি:,
কেষম ৩।০খ্যা সমাধাতে
যথা- এক:, দ্বৌ, বহব:,

২ অস্বোধনে চ
(২।৩।৪৭) —

হে রাম,

৩ কর্তৃবীপ্টিতত্ম)।
কর্ম (৩।৪।৪৯) —

হরি)। তদ্ভতি,
বালক: পুস্তক)। পাঠতি,

৪। অকথিত)। চ
(৩।৪।৫৩) —

গা)। দোগ্ধি পয়:,
বামন: বলি)। যাচতে বসুধায়
তনুলান্ ওদন)। পাঠতি,
গর্জান্ ঝত)। দনুয়তি,
ব্রহ্মবরুনসি গাম্।

सूत्र

४। अकथितं च
(२।४।७२) —

वेदाह्वय

आवक० पशुव० प्रकृति,

सूत्रम् अचिनोति यन्मनि,

आवक० धर्म)० आते
आति वा,

अत)० ज्ञेयति देवदत्तम्,

देवगनः असूद्रम् (असूत)०
अभ्यनाति,

देवदत्त० अत)० सूक्ष्माति,

अथाह ग्राम० नयाति, ह्यति
कर्मति वृति वा,

बलि० ज्ञेयते व्युत्थाम्,

आवक० कर्म)० ज्ञेयते अतिशये
यति वा,

७। अतनुः कर्तु
(२।४।७४) —

रामः पठाति,

बालकः पश्याति,

आत प्रकृति,